दिल्ली पब्लिक स्कूल, फ़रीदाबाद

Dated: 24.09.16
Time : 3 hrs.
M.M. : 90
P.S. : 5

प्रथम सत्रीय परीक्षा 2016-2017

विषय-हिन्दी, कक्षा - नवीं

निर्देश - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रश्नपत्र चार खण्डों में विभाजित है।
सुलेख का विशेष ध्यान रखें।

खण्ड - क

प्र01 निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

(अ) मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं। एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की कद्र करें, हमें दाद दें और हमारा आदर करें और दूसरे वे हम पर प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें, उनके जीवन में हम कुछ महत्त्व रखते हैं - ऐसा अनुभव करें।

आपके जरा से भी कार्य की यदि किसी ने सच्चे दिल से प्रशंसा की तो आपका दिल कैसा खिल उठता है? कोई आपकी सलाह माँगने आता है तो आपका मन कैसे फूल जाता है?

ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मसंतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी-आपकी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा है। यदि आप उसे प्रामाणिकतापूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक-ठीक समझना, उनकी कद्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना यही व्यवहार-कुशलता है। इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाजे खोलने की कुंजी हाथ लगती है। इससे हमारी सुख-शांति बढ़ती है, सो अलग।

क. मानव की कौन सी दो मूल प्रवृतियाँ होती हैं? 1

ख. व्यवहार कुशलता किसे कहते हैं? 1

ग. हर मनुष्य को किस चीज़ की भूख होती है? 1

घ. सामाजिक जीवन में लोकप्रियता कैसे बढ़ती हैं? 1

ङ. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखें। 1

(आ) दरअसल, हम अपनी समस्याओं की चर्चा बहुत बढ़ा-चढ़ाकर करते हैं। समस्याएँ आने पर हम दूसरों की सहानुभूति चाहते हैं। लेकिन सहानुभूति या दया से कोई समस्या हल नहीं होती। हम मुश्किलों का रोना तो रोते हैं, लेकिन कभी समाधान के बारे में नहीं सोचते। हम हथियार डालते हुए यह मान लेते हैं, जैसे बड़ी भारी मुसीबत आ गई हो। दिन-रात इसी मुसीबत के बारे में सोचते रहते हैं। इसी तरह समस्या पूरी तरह हमारे दिलो-दिमाग पर छा जाती है। यह हमारे ऑफिस के कार्य और घरेलू दिनचर्या को भी प्रभावित करने लगती है। इससे परिवार के सभी सदस्य तनाव में आ जाते हैं। और ऐसा हो भी क्यों न। चूँकि वे भावनात्मक रूप से आपसे मज़बूती से जुड़े होते हैं, इसलिए वे हमेशा आपको ही सही मानते हैं। यदि कोई गड़बड़ हुई भी है, तब भी वे यही मानते हैं कि गलती आपकी नहीं, बल्कि किसी और की रही होगी, क्योंकि उनकी नज़र में आप तो सदा सही ही होते हैं।

इस पूरी प्रतिक्रिया में स्वयं द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन करना भूल जाते हैं। यदि ऐसा करें, तो हो सकता है कि ऐसी स्थिति से बाहर निकलने में मदद मिल जाए। यह भी हो सकता कि आप चीजों को संभालने में सक्षम न हो या फिर यह भी हो सकता है कि गलती आपकी ही हो। परिस्थितियों का ठीक-ठीक मूल्यांकन करके आप आसानी से समाधान तक पहुँच सकते हैं। किसी भी समस्या का हल उसकी जड़ में होता है। यदि आप समस्या की जड़ तक पहुँच सकते हैं, तो समाधान असंभव नहीं होगा।

क. समस्याएँ आने पर हम क्या करते हैं? 1

ख. हमारे घरवाले समस्या में उलझने पर हमें ही सही क्यों मानते हैं? 1

ग. किस उपाय से हमारी समस्याएँ सुलझ सकती हैं? 1

घ. समस्या की जड़ तक पहुँचने का क्या आशय है? 1

ङ. उपसर्ग व मूल शब्द अलग करें। 1

असंभव, परिस्थिति

प्र02 **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

(अ) अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफ़रत अधिक, प्यार है कम।
हम जब होंगे बड़े, घृणा का नाम मिटाकर लेंगे दम।
हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक बहेगा देश!
जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश!
भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है,
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है।
एक घरौंदे जैसा आख़िर कितना और ढहेगा देश,
जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश!
इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो,
थोड़ा सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो।
हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश,
घोर अभावों की ज्वाला में, कल से नहीं दहेगा देश।

क. पूरी काव्य पंक्तियों में कवि क्या विश्वास दिलाना चाहता है? 1

ख. बच्चे किन कुरीतियों को मिटाने का संकल्प व्यक्त करते हैं? 1

ग. बच्चे क्या शपथ खाते हैं? 1

घ. आज भी लोगों में कैसे भाव देखने को मिलते हैं? 1

ङ. पद्यांश के लिए उचित शीर्षक दें। 1

(आ) एक दिन व्याकरणाचार्य ने खुश होकर मुझसे कहा -
बोल! तुझे क्या बना दूँ?
ध्वनि बना दूँ, व्यंजन बना दूँ, अव्यय बना दूँ;
स्वर बना दूँ, उपसर्ग बना दूँ, या प्रत्यय बना दूँ?
प्रत्यय का नाम आते ही मैंने उसे टोका
और हाथ जोड़ते हुए रोका!
न बाबा न!
मुझे भूलकर भी प्रत्यय न बनाना!
भाषा में यही सबसे शोषित है, पिछलग्गू है
जिसके पीछे लगता है, उसी में खो जाता है
पूरा का पूरा उसी का होता है
प्रत्यय तो मजदूर है, सर्वहारा है
औरों को आकार देते-देते
अपना सर्वस्व हारा है
चाहे लड़ाकू का 'आकू' हो या हथौड़ा का 'औड़ा'
सबके सब पतंग की पूँछ हैं
वह पूँछ, जो चाहे जितनी भी लंबी और लहरिल हो

और डोलती पतंग का संतुलन हो, सहारा हो
किंतु उसकी अपनी कोई पूछ नहीं होती
सो व्याकरणाचार्य जी!
मुझे व्यक्तित्वहीन ही रखना है
तो प्रत्यय नहीं 'उपसर्ग' बनाना
जिसका धर्म है-खुद को मिटाकर
औरों को नए-नए रंगों में सजाना
उन्हें उनके नए अवतार देना
किसी को विस्तार, तो किसी को संस्कार देना

क. व्याकरणाचार्य ने कवि से क्या कहा था? 1

ख. कवि प्रत्यय क्यों नहीं बनना चाहता? 1

ग. कवि को उपसर्ग में क्या खास बात नजर आती है? 1

घ. उपसर्ग एवं प्रत्यय में क्या मुख्य अंतर है? 1

ङ. पद्यांश में आए दो प्रत्यय लिखें। 1

खण्ड ख

प्र03 निर्देशानुसार उत्तर लिखें।

क. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें। 2

अ. अभिजात्य आ. द्रवित

ख. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखें। 1

अ. सुन्दरता आ. पण्डित

ग. निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थानों पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग करें। 1

अ. कुआ आ. ऊचाई

घ. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखें। 1

अ. आजादी आ. फिजूल

प्र04 क. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग अलग करें व लिखें। 1

अ. अतिथि आ. प्रवास

ख. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को अलग करके लिखें। 1

अ. आणविक आ. ईश्वरीय

ग. 'ईला' प्रत्यय से एक शब्द बनाएँ। 1

प्र05 क. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए। 2

अ. अधि+ईश्वर आ. सु+आगत

ख. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। 2

अ. सर्वोदय आ. अत्याचार

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त स्थान पर विराम चिह्न लगाइए। 3

अ. उसने मुझसे पूछा क्या मैं उसके साथ जाना चाहूँगी

आ. नयन तारे से लेखक का क्या अभिप्राय है

इ. छात्रों की तीन श्रेणियाँ होती हैं पढ़ने वाले न पढ़ने वाले और पढ़ने जैसा दिखने वाले

खण्ड ग

प्र06 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें।

क. हिमपात क्या होता है? किन स्थितियों में यह खतरनाक रूप ले सकता है? स्पष्ट करें। 2

ख. हमारे जीवन में पोशाक की क्या भूमिका व महत्त्व है? पढ़े गए पाठ 'दुख का अधिकार' के आधार पर स्पष्ट करें। 2

ग. धूल व मिट्टी में क्या अंतर है? 1

प्र07 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना' इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? पाठ 'अतिथि तुम कब जाओगे' के आधार पर लिखें। 5

प्र08 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"भगवाना परलोक चला गया। घर में जो कुछ चूनी-भूसी थी, सो उसे विदा करने में चली गई। बाप नहीं रहा तो क्या, लड़के सुबह उठते ही भूख से बिलबिलाने लगे। दादी ने उन्हें खाने के लिए खरबूज़े दे दिए, लेकिन बहू को क्या देती? बहू का बदन बुखार से तवे की तरह तप रहा था। अब बेटे के बिना बुढ़िया को दुअन्नी - चवन्नी भी कौन उधार देता।

क. भगवाना की मृत्यु हो जाने पर घर की क्या दशा हो गई थी? 2

ख. बुढ़िया को खरबूजे बेचने क्यों जाना पड़ा? 1

ग. बुढ़िया को कोई उधार क्यों नहीं देता? 1

घ. पाठ व लेखक का नाम लिखिए। 1

प्र09 कवि रैदास ने किन-किन उदाहरणों से भक्त व भगवान के मिलन को दर्शाया है? इससे उनकी भक्ति की कौन सी विशेषता झलकती है? 5

प्र010 पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क. आदमी नामा कविता में आदमी के कौन-कौन से सकारात्मक रूप दर्शाए गए हैं अपने शब्दों में लिखें। 2

ख. कवि रहीम ने मन की व्यथा को मन में ही रखने की सलाह क्यों दी है? 2

ग. रवि जलज (कमल) की रक्षा कब नहीं कर पाता? 1

प्र011 'स्मृति' कहानी के आधार पर लेखक की साँप से साहसिक मुठभेड़ का वर्णन अपने शब्दों में करें। क्या लेखक के द्वारा कुएँ में उतरने का निर्णय लिया जाना उचित था? अपने विचार लिखें। 5

खण्ड घ

प्र012 दिए गए संकेत बिंदुओं पर आधारित 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (कोई एक) 5

क. भारत का प्राकृतिक सौन्दर्य - संकेत बिंदु - प्राकृतिक सौन्दर्य का आशय, भारत के समुद्र तट, भारत की पर्वत शृंखला, नदियाँ, हरियाली व रेगिस्तान, विविध मौसम आदि।

ख. पुस्तकों का महत्त्व - संकेत बिंदु - पुस्तकें हमारी मित्र, पुस्तकें प्रेरणा का स्त्रोत, मनोरंजन का साधन।

ग. तनावों में घिरा महानगरों का जीवन - संकेत बिंदु - महानगरों का जीवन, प्रगति और उन्नति की अंधी दौड़, मानवीय संबंधों का नाश, कृत्रिम खान-पान।

प्र013 अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए जिसमें प्रातःकालीन सैर के लाभों का वर्णन किया गया हो। 5

प्र014 आप 'फूड स्टोर' खोल रहे हैं, जहाँ प्रत्येक वस्तु 'होल-सेल' दाम पर मिलेगी। उसके लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें। 5

प्र015 'रियो ओलम्पिक - गेम्स' के विषय में दो छात्रों के बीच हुई बातचीत को संवाद शैली में लिखें। 5

प्र016 दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखें व लगभग 25-30 शब्दों में वर्णन करें। 5

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

S.A I EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - IX SUBJECT - HINDI DATE - 24.9.16 MAX MARKS - 90

Q. NO.	खंड - क	MARKS
1	अपठित गद्यांश -	
(अ)	क) लोग गुणों की कद्र करें, आदर करें। दूसरा हमसे प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें।	1
	ख) दूसरों की भावनाओं को ठीक-ठीक समझना, कद्र करना सच्चाई और स्नेह का व्यवहार।	1
	(ग) प्रशंसा, प्रोत्साहन और स्नेह की भूख।	1
	(घ) स्नेह और व्यवहार कुशलता से।	1
	(ङ.) व्यवहार - कुशलता	1
(आ)	(क) दूसरों की सहानुभूति, बढ़ा-चढ़ाकर चर्चा।	1
	(ख) वे भावनात्मक रूप से आपसे जुड़े होने के कारण।	1
	(ग) समस्या की जड़ तक पहुँचने से।	1
	(घ) समस्या की उत्पत्ति के कारण समझना।	1
	(ङ.) अ + संभव परि- स्थिति	1
2 (अ)	(क) उनके बड़े हो जाने पर वे देश का ऐसा माहौल नहीं रहने देंगे।	1
	(ख) नफ़रत, घृणा, हिंसा, भ्रष्टाचार, जमाखोरी।	1
	(ग) देश अब कोई दुर्दशा नहीं सहेगा।	1
	(घ) नफ़रत ज़्यादा है प्यार कम।	1
	(ङ.) संकल्प, देश-प्रेम	1

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - __________ DATE - __________ MAX MARKS - ______

Q. NO. 2		MARKS
(आ)	(क) व्याकरणाचार्य ने खुश होकर उसे ध्वनि, व्यंजन, अव्यय, स्वर आदि में से कुछ बनाने की बात कही।	1
	(ख) कवि के अनुसार प्रत्यय शोषित, पिछलग्गू है। मज़दूर व सर्वहारा है।	1
	(ग) उपसर्ग खुद को मिटाकर औरों को नए रंगों में सजाता है।	1
	(घ) उपसर्ग किसी शब्द से पहले लगते हैं व प्रत्यय शब्द के पीछे।	1
	(ङ) 'आकू' 'औड़ा'	1
	खंड 'ख'	
प्र. 3	निर्देशानुसार उत्तर :-	
(क)	अ) अ + न् + इ + ज् + आ + त् + य् + अ आ) द् + र् + अ + व् + इ + त् + अ	1, 1 } 2
(ख)	अ) सुंदरता आ) पंडित	1
(ग)	अ) कुआँ आ) ऊँचाई	1
(घ)	अ) आज़ादी आ) फ़िज़ूल	1
प्र. 4	(क) (अ) – अ + तिथि (आ) प्र + वास	1
(ख)	(अ) इक (आ) ईय	1
(ग)	रंगीला, चमकीला	1
प्र. 5 (क)	अ) अधीश्वर (आ) स्वागत	2
(ख)	अ) सर्व + उदय आ) अति + आचार	2

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR ______________ ______________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - __________ DATE - __________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
5 (ग) contd -	अ) उसने मुझसे पूछा, "क्या मैं उसके साथ जाना चाहूँगी?"	3
	आ) 'नयन-तारे' से लेखक का क्या अभिप्राय है?	
	इ) छात्रों की तीन श्रेणियाँ होती हैं — पढ़ने वाले, न पढ़ने वाले और पढ़ने जैसा दिखने वाले।	
	खण्ड - ग	
प्र-6)	(क) बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरना। हिमविदर में बदल जाना खतरनाक है।	2
	(ख) पोशाक समाज में दर्जा निश्चित करती है हमारी सफलता-असफलता का भी कारण बनती है। निम्न-वर्ग से सहानुभूति बाँटने में बाधक हो जाती है।	2
	(ग) धूल मिट्टी की ऊपरी परत है; उसकी चमक व उसकी पहचान है।	1
प्र.7)	संबंधों में दरार आ जाना; एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव व सम्मान न रहना। लेखक के घर उसके मेहमान का आवश्यकता से अधिक दिनों तक उसकी मर्ज़ी के खिलाफ़ टिके रहना लेखक के लिए असहनीय हो गया था। सौहार्द गालियों का रूप लेने की स्थिति में पहुँच चुका था।	4½
प्र.8)	(क) घर का सब कुछ बेटे की अन्तिम विदाई में चला गया।	2
	(ख) बहू को बुखार की हालत में देने के लिए कुछ नहीं था।	1

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR __________ __________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

_______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - __________ DATE - __________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
8 contd-	(ग) उधार वापस न मिलने की उम्मीद के कारण	1
	(घ) पाठ- 'दुख का अधिकार' लेखक- 'यशपाल'	1
Q. 9	चंदन-पानी, मोर- घने बादल, चाँद-चकोर, दीपक- बाती, मोती- धागा व सोना एवं सुहागा आदि के उदाहरणों से भगवान व भक्त की तुल्यता सिद्ध की है। दास्य व दैन्य भाव की भक्ति।	4½
Q. 10	(क) बादशाह, ज़रदार, मस्जिदें बनाने वाले, नमाज़ पढ़ने व कुरान शरीफ़ की व्याख्या करने वाले, दूसरों पर जान वारने वाले, मदद के लिए दौड़ कर आने वाले दिल लुभाने वाले काम करनेवाले।	2
	(ख) दुख बाँटने की बजाए लोग हमें हँसी का पात्र बना देते हैं।	2
	(ग) जब उसके पास उसकी अपनी संपत्ति जल नहीं रहता।	1
Q. 11	लेखक के द्वारा बड़े भाई की मार के डर से व झूठ बोलने की प्रवृति न होने के कारण चिट्ठियाँ उठाने के लिए कुएँ में उतरने का निर्णय लेना ज़हरीले साँप का ध्यान बँटा कर चिट्ठियाँ उठाना साँप के द्वारा काटे जाने से बाल-बाल बचना बहुत सूझबूझ व साहस से बाहर आना आदि। यह उचित नहीं था। जान-लेवा था।	4½

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR __________ __________

DELHI PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD

______________ EXAMINATION, 2016-17

MARKING SCHEME

CLASS - __________ SUBJECT - __________ DATE - __________ MAX MARKS - ______

Q. NO.		MARKS
12	खंड 'घ'	
	अनुच्छेद - किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं को आधार बना कर लिखना।	4½
	विषय-वस्तु की अनुकूलता	
	शब्द-चयन व अभिव्यक्ति	
प्र. 13	पत्र - पत्र का प्रारूप	4½
	विषय-वस्तु	
	शब्द-चयन व अभिव्यक्ति	
प्र. 14	विज्ञापन का आकर्षक होना	5
	संक्षिप्त, उत्तेजक व प्रेरक वाक्यों का प्रयोग	
	गुणवत्ता, महत्व स्पष्टीकरण	
प्र. 15	विषयानुकूल वार्तालाप	4½
	उचित व संक्षिप्त संवाद शैली	
	शब्द-चयन व अभिव्यक्ति	
प्र. 16	दिए गए चित्र के आधार पर संक्षिप्त वर्णन	5

NAME AND SIGNATURE OF SUBJECT COORDINATOR ______________ ______________